प्रभात मित्तल
तकनीकी विश्लेषक

ट्रेडिंग बस की बात नहीं, बनें निवेशक

इस लेख में व्यंग्यात्मक शैली में तकनीकी विश्लेषक *प्रभात मित्तल* बता रहे हैं कि निवेशक को ट्रेडर बनने की कोशिश भूलकर भी नहीं करनी चाहिए

बढ़ते बाजारों को रोज देखने वाले ट्रेडर्स बने निवेशकों को मेरा शत शत नमन! हर जगह एक ही जलवा है. ट्रेडिंग बेकार काम है, निवेश करना चाहिए. हां इंट्रा-डे या शार्ट टर्म मिल जाए तो बुराई क्या है, नहीं तो हम तो निवेशक हैं ही डिलिवरी उठा लेंगे. कई धोखा खाए ट्रेडर्स का कहना है कि ट्रेडिंग में नुकसान होता है, काम बंद? कई धोखा खाए ट्रेडर्स ने अपने को निवेशकों वाली पोशाक पहना ली. कोई बोलता है सेंसेक्स 20,000 या 10,000? कोई बोलता है रिपोर्ट है? कोई रोज पिटना पसंद करता है तो कोई कैंसर रोगी की तरह मरना पसंद करता है. अगर आप ट्रेडर्स है तो इस कैंसर रोगी की तरह काम करने से बेहतर है कि रोज पिटें और अपना बचाव करें. एक दिन तो आएगा जब आप अपना बचाव कर पाएंगे. उसके बाद आपका हुनर शायद काम आ जाए कि अपने बचाव के साथ-साथ आप वार करना भी सीख जाएं अर्थात थोड़ा बहुत या बहुत अधिक ट्रेडिंग करके कमाने लगें.

खबर आई है

अरे भाई आओ-आओ, दौड़ लगाओ और ऐसी गाड़ी में बैठ जाओ, जिसका ड्राइवर उसको पहले ही कितनी तेजी से और कहां से चलाकर ला रहा है और आपको बैठाकर कूदने के लिए खड़ा हुआ है. सही भी है. सबको आगे जाना है. मैं एक बस स्टैंड पर खड़ा हुआ हूं. जो गाड़ी दौड़ेगी उसी में बैठूंगा. आखिर जल्दी पहुंचना है भाई? अरे जनाब? दौड़िए भागिए, पर इतनी तेज नहीं कि आप ऐसी गाड़ी में बैठ जाएं जिसका ड्राइवर खुद भागने वाला है. इसलिए समय लगे तो चलेगा पर गाड़ी अपने मुकाम पर तो पहुंच जाएगी.

कहने का तात्पर्य यह कि इन खबरों रूपी जंजाल से दूर रहते हुए, दिखावे पर न जाएं और अपनी अकल लगाएं. यहां पर यह सिखाने वाले तो बहुत हैं कि निवेश क्या है या ट्रेडिंग क्या है, परंतु क्या यह कोई सीखने वाला है कि इस मार्केट का गुरु मंत्र क्या है.

अगर आप ट्रेडर हैं तो क्या करें

अगर आप वाकई में ट्रेडर हैं या बनना चाहते हैं तो सबसे पहला सिद्धांत है कि अपने कलेजे का आकार थोड़ा बड़ा करें, लेकिन मुनाफे के लिए. क्या आपको गीदड़ पसंद है या गीदड़ जैसा बनना? नुकसान होते समय गीदड़ बनना घाटे का सौदा नहीं है. अगर आप इंट्रा डे ट्रेडर हैं तो सबसे आवश्यक बात है कि बाजार का पिछले 5-7 रोज का ट्रेंड समझ में आना चाहिए. अगर बाजार में तेजी का सेंटीमेंट है तो तेजी करके इंट्रा डे काम करना चाहिए और अगर मंदी का ट्रेंड है तो मंदी करके इंट्रा डे काम करना चाहिए.

और अगर कंसोलिडेशन है तो स्टॉक स्पेस्फिक स्टॉप लॉस रखकर काम करना चाहिए. ट्रेडर्स नाव की सवारी करें और रोज पल्ले पर जाएं. परंतु डूबती नैया में कोशिश करें कि सबसे पहले आपको ही कूदना है और तैरकर किनारे पर आना है. अगर तैरना नहीं आता तो नाव पर नहीं बैठें. ध्यान रहे कि फ्यूचर्स ट्रेडर्स नुकसान के सौदे को घर लेकर न जाएं तो बेहतर है. मुनाफे के सौदे में कठोर स्टॉप लास या ट्रेलिंग स्टॉपलॉस रखकर सौदा कैरी किया जा सकता है. एक ट्रेडर्स को ज्यादा लंबे समय की सोच रहने का कोई फायदा नहीं है. एक अच्छा ट्रेडर वह होता है जो जल्दी से जल्दी आगे बढ़ना चाहता है और चलती गाड़ी पर बैठकर गाड़ी के धीरे होने या रुकने की दशा में फौरन गाड़ी बदल देता है. दूसरी गाड़ी न मिलने पर नई गाड़ी आने की प्रतीक्षा करता है.

अगर आप ट्रेडर हैं तो यह मानने में कोई बुराई नहीं कि आप सटोरिए हैं. यहां लिया हुआ एक अच्छा निर्णय पैसा देकर जाता है और

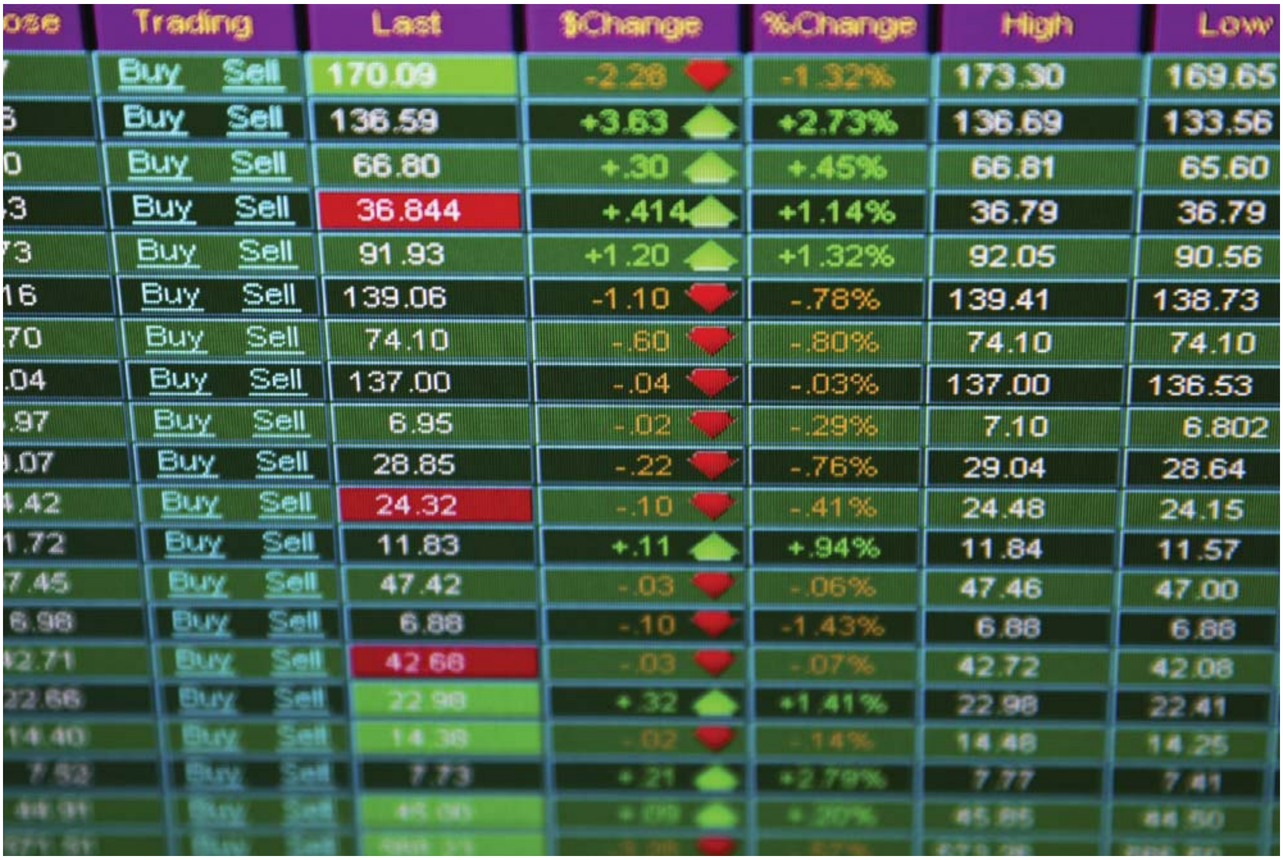

उस निर्णय से खुश होते हैं तो हमारे एक गलत निर्णय को हम क्यों स्वीकार नहीं करते हैं और क्यों अपने निवेशक वाली धारणा को लेकर फंस जाते हैं. ट्रेडर का काम यह नहीं कि क्या बढ़ने वाला है? सिर्फ और सिर्फ एक सिद्धांत जो चले वो अपना. जो रुके या गिरे वो पराया.

एक इंट्रा डे ट्रेडर या शार्ट टर्म ट्रेडर को भाव को देखकर आकर्षित होने से अच्छा चाल देखकर आकर्षित होना चाहिए.

क्या है निवेश और क्या है निवेशक

वैसे तो सभी जानते हैं कि निवेश क्या है और क्या है निवेशक? परंतु निवेश के साथ ट्रेडर मेंटेलिटी, यह गलत है. एक निवेशक का यह सवाल कि आज बाजार कैसा लगता है, बड़ी व्यंगास्पद स्थिति है. एक निवेशक को आज क्या आने वाले 2-5 साल के लिए भी बाजार का अनुमान लगाने का क्या फायदा. एक निवेशक के लिए तो तीन ही शब्द मायने रखना चाहिए. पहला अंडरवैल्यूड, दूसरा ओवरवैल्यूड और तीसरा ग्रोथ. उसको मार्केट से कोई मतलब नहीं होना चाहिए. सेंसेक्स मात्र सेंटीमेंट है जिसके बढ़ने या गिरने से अच्छे स्टॉक्स में क्षणिक मात्र करेक्शन आता है. एक निवेशक के लिए नुकसान करना कहीं से कहीं तक सही नहीं है, परंतु कलेक्शन परफेक्ट होना चाहिए. हमारे यहां मीडिया ने काफी तरक्की की है, घर बैठे बैठे न्यूज अपने कानों तक पहुंच जाती है. कहीं न कहीं से निवेशक को पता चल ही जाता है कि उसके स्टॉक का क्या भाव चल रहा है. मुझे एक बात से बड़ा आश्चर्य होता है कि ट्रेडर्स बने निवेशकों ने और उनके बताए हुए पास्ट एक्सपीरियंस ने निवेश का यह हाल कर दिया है कि लोगों की सोच निवेश के नाम पर धोखा, सट्टा, जालसाजी जैसे शब्दों पर रह गई है.

स्टॉक मार्केट में किसी कंपनी में निवेश करना उस कंपनी की हिस्सेदारी लेना है. अब आप ही बताइए कि किसी कंपनी की हिस्सेदारी लेना उस कंपनी का मालिक बनने के बराबर नहीं है? आप निवेश करने या उस कंपनी को खरीदने के पहले उसकी जांच नहीं करेंगे? क्या बेटी की शादी के पहले लड़के को या उसके परिवार को नहीं देखेंगे? तो कंपनी को खरीदने के पहले इतनी जानकारी क्यों नहीं ली जाती. किसी ने कहा खबर है तो ले लिया. इसलिए खबर, शार्टटर्म, मुनाफा आदि शब्दों का एक निवेशक के लिए कोई मतलब नहीं है. जैसे अपनी बेटी या बहन के लिए रिश्ता ढूंढते हैं, वैसे कंपनी ढूंढिए जिसको आप खरीदना चाहते हैं और जो आपके नाती पोतों के लिए एक उदाहरण बन जाए. निवेश करने के पहले यह ध्यान दें कि किस सेक्टर में आने वाले समय में ग्रोथ हो सकती है, कौन सा सेक्टर अंडरवैल्यूड है और उस सेक्टर में कौन सी मल्टीबैगर हो सकती हैं.

निवेशक बने ट्रेडरों से अनुरोध

हे मेरे निवेशक बने ट्रेडर भाइयों! आप लोगों से अनुरोध है कि अपनी गलती से किए गए नुकसान का भागीदार इस मार्केट को न बनाएं. अगर आप पैसा कमाने में सक्षम नहीं हैं या आपको लगता है कि आप इस मार्केट के लिए नहीं बने, तो कृपया बाहर हो जाएं. या तो अंदर रहने का तरीका सीख लें या मार्केट से बाहर हो जाएं.

मैं यह देख रहा हूं कि यहां पर जो लोग मार्केट में आकर्षित होते हैं, आपकी दयनीय स्थिति देखकर डर जाते हैं. दूसरों की कमियां देखने से अच्छा अपनी कमियां देखें जिससे निवेश का सही अर्थ हम समझ पाएं और नए निवेश को बाजार में आने दें क्योंकि बाजार तो मात्र एक ट्रेडर्स के द्वारा बनाया गया सेंटीमेंट है, इसलिए गिरने की आशंका और बढ़ने की उम्मीद को छोड़ते हुए आज से ही वो हीरा खोजें जो आपके निवेश को आपके नाती-पोतों के लिए सहस्त्र गुना कर पाए. ऐसी मेरी कामना है !